

ॐ संयिं यं संमां द्रवं दं ॥ इति नं गुं नं संयनं ॥ ध्याना गच्छात् स्वतरेन
 त्रिगालस्य ८५ ॥ हलसि त्रमकु तकि त्रति मोन राशि तव सध इम
 ॥ सोहिय वडा सत्व यत्त मे ॥ त्रय दूम यदा ॥ १२ ॥ गम रसु निवद
 ॥ यिथि कै (थ) गत द ह धन २ वा त्रि तु रू त्र न या निरु ॥ १३ ॥
 ॥ इम २ सोहिय वडा सत्व ये त्र मे ॥ त्रय दूम यदा ॥ ध्याना गच्छात्
 वन कृ त्रि म त्र ति ज्ञ न राय न वि न यु २ ना व यि व द सत्व यत्त म
 ॥ त्रि म सह सु किर म द्वा द स सा ह स्य व ति २ व द यि थि ॥ ल क्ख न रा य न न

ता वा ॥

नागधना ग्री ॥ अथ वा कुरु ॥ ॥ इव मनूष्या सु न न क व न ध ॥ प्र ति ह न ड ॥ १३ ॥
 उ म न ध लो क ग त्वं मा म ग न धं न कृ कृ पा ला कृ नृ का न ध ॥ १ ॥ सं सा ना द ये
 म ध्वा नि म नं कं ग म हा र्मि स मा हि त रं गं ॥ मा म व धी न य मा वि नृ वं त ॥ २ ॥ दि न
 ह कृ प नो मि रु व नं ॥ २ ॥ इ म्मा नि मि ना प इ त नं उ म न ध म हा रु य वि क न म य
 ॥ पा ल य रु ग व न व ला क य मां या व द की विं या मि न वि ष मां ॥ कृ त म नृ धी य
 ह ध म ऊ यं ह त म ह न प्र ति स रु यं ॥ ना ध म या कृ त पा प म (गं) च ना ग य सं षु दि
 का यि क दा ष ॥ ४ ॥ ये डी वि त स कान नि मि रुं ला का त्रि यं रु ति न म स रुं ॥

2837

ममोक्तं त्वन्यथा ॥ १ ॥ अथ विष्णुः ॥ २ ॥ अथ ब्रह्मा ॥ ३ ॥ अथ शिवः ॥ ४ ॥ अथ
नमो हितं ॥ ५ ॥ अथ विष्णुः ॥ ६ ॥ अथ ब्रह्मा ॥ ७ ॥ अथ शिवः ॥ ८ ॥ अथ
स्वयं यथा ॥ ९ ॥ अथ विष्णुः ॥ १० ॥ अथ ब्रह्मा ॥ ११ ॥ अथ शिवः ॥ १२ ॥ अथ
दुःखगतीनां ॥ १३ ॥ अथ विष्णुः ॥ १४ ॥ अथ ब्रह्मा ॥ १५ ॥ अथ शिवः ॥ १६ ॥ अथ
नमो ममो ॥ १७ ॥ अथ विष्णुः ॥ १८ ॥ अथ ब्रह्मा ॥ १९ ॥ अथ शिवः ॥ २० ॥ अथ
नमो हितं ॥ २१ ॥ अथ विष्णुः ॥ २२ ॥ अथ ब्रह्मा ॥ २३ ॥ अथ शिवः ॥ २४ ॥ अथ
संविद्विद्वत् ॥ २५ ॥ अथ विष्णुः ॥ २६ ॥ अथ ब्रह्मा ॥ २७ ॥ अथ शिवः ॥ २८ ॥ अथ

बालिपत्रवली

पतिसिंहा. त्वार्थतनामृतन॥ ५॥ ॥ नागगंधानरुनवी॥ वा. कद्रु॥ चतुःप्रवृत्त
पलपानलाह. हीमविनय. शितयस्वरूप॥ समीनवीजा. रुवविन्धनूप
कालिप्रमथ. प्रमथामिनिथ॥ ५॥ १॥ कालीकनाली. कनवालधानी.
प्रतासनस्का मधुपायरुक्ता॥ वामनरुटं. सुटिकंदधाना. मामहहासा.
बहु. कालिकासा॥ २॥ वृष्णाचूतभा. घमनेनपास्या. ग्यासानिलासा. सुन
नाजसंधा॥ ३॥ गुग्गुलुग. रुसिताखिलाभा. पालाविमाला. रुनभा. क

लाभा॥ ३॥ विद्युत्तनाला. लनसरुहीमा. गवस्तुसिंघ. एनिपार्मत्वीतिः॥
हंसानशुक. किं वगल्लाप. रुसिंरुमूषा. कहितासनातिः॥ ४॥ सपित्त
मीमा. रुनिधानवर्ष. रुक्मपथ. गनरुन्मतिथ्या॥ कालीमपूज. रुनरु
वेद्य. गुग्गुलुसिंहा. रुहिताः मृतासो॥ ५॥ २॥ नागजलवर्ष॥ गालत्रुक्मा
०॥ ॥ शीतलरुयासंनीयासं. रुक्महनात्मजंप्रताः॥ मिंजाविजाविवाहावि.
रुक्मासनास्मितासना॥ १॥ वैश्ववर्गप्रथमजा. मरुतस्त्रीमपायय॥ हिमा
न

श्रीनरयाम

गुहिमलेलाहं हंमालंका न हृषितां ॥ २ ॥ विंद प्रकल्पिता गंधं नानां सा
 नां हंवां वं ॥ गुलाग्रप्रयनिस्पृक्तं उवर्तयता तुंवी ॥ ३ ॥ पोशाकं लेखं
 धा म्हा वि म मयी हंत सर्वं का ॥ हे गहि वि विना म्हां कि प्रकल्पं रूपं मा
 लिको ॥ ४ ॥ पेंवान नीवु उर्वका शंकी हे नव वा ध्मवी ॥ माधवी कालव
 दना चामुआ मिखि वाहनः ॥ ५ ॥ हि मा ह रुंदी पिम्वी न रुके य सुम
 नितां ॥ वैनि प्रकल्पं च ॥ पादपं न मनान म्हा ॥ ६ ॥ पोना वा ना नल का

न गेत्रा धय पा धुनः ॥ सांगान की न्द्र तिथि म्हा ल श्री स मर्व नां ॥ ७ ॥
 म्हा ल श्री मया जी हा म म्हा हि ध धी य धी ॥ सह ग लां हान कन राख
 नाय न्मा दितः ॥ ८ ॥ ॥ ना ग हे न वी ॥ ताल प्रक ताल ॥ दिन ना ऊप सा
 ह्म मा फ वन गऊ ना ऊ म्खं सून ना ऊ सखं ॥ गल नाय क वा म्हा ना ल
 हवं प्रम मा मि वि नाय क विष्णु पति ॥ १ ॥ हि ऊ ना ऊ कलां कि न रुं न
 ट ऊप स ड्क मूल कृण न कनं ॥ विहि ना सन म्हा वि क ना ऊ म्हा न लि